

//1//

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद (अजमेर)

पीठासीन अधिकारी : - राकेश कुमार गुप्ता (R.A.S.)
राजस्व प्रकरण संख्या : - 97/2011

उनवान

1. जीवन पुत्र भूरा जाति गुर्जर निवासी ग्राम मण्डियानी, नसीराबाद
— वादी :- जरियें अधिवक्ता श्री सुखदेव चौधरी

बनाम

1. हमीरा मु० हीरा,
 2. छोटी पत्नी सुगनचन्द्र,
 3. अमरचन्द्र,
 4. राजू पि० रामचन्द्र,
 5. मंवरी पत्नी काना,
 6. धमेन्द्र पुत्र काना,
 7. नौसर पुत्री काना जाति-गुर्जर नि० मंडियानी नसीराबाद,
 8. राज.सरकार जरिये तहसीलदार नसीराबाद राज. सरकार
- प्रतिवादी :- 1 जरियें सीताराम रावत
2 से 7 अनुपस्थित
8 जरियें राज० पैरोकार



वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188, 92 अ राज. काश्त. अधि. 1955

—: निर्णय :-

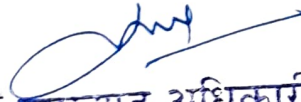
दिनांक :- 26.3.21

वादी ने जरियें अधिवक्ता उक्त वाद पेश कर निवेदन किया कि ग्राम मण्डियानी में वादी की पुश्तैनी आराजी स्थित है जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

खाता संख्या	पुराने ख०न०	रकबा	हाल ख०न०	रकबा
259/257	1353 मिन	3-12-0	1237	0.18
	1357	6-7-0	1237/2005	1.01
	1362	1-8-0	1256	0.57

आराजी मुतनाजा वादी के नाम नामान्तरण संख्या 2 दिनांक 02.09.85 के अनुसार अधिकार अभिलेख में दर्ज चली आ रही थी। किन्तु दौराने बंदोबस्त हाल राजस्व अभिलेख में त्रुटिपूर्ण तरीके से उक्त आराजी प्रतिवादीगण के नाम दर्ज कर दी जबकि उक्त आराजी वादी की कयशुदा है। उक्त त्रुटिपूर्ण इन्द्रातज के करण प्रतिवादीगण आराजी मुतनाजा पर दखलदांजी कर रहे है व अन्यत्र हस्तांतरण करने पर आमादा है। अतः आराजी मुतनाजा का खातेदार वादी को घोषित किया जावे। प्रतिवादीगण को जरियें स्थायी निषेधाज्ञा पावद किया जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरियें नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 ने जवाब पेश कर निवेदन किया कि हाल राजस्व अभिलेख में आराजी मुतनाजा प्रतिवादीगण के नाम खातेदारी दर्ज है। वकिंग जमाबंदी में उक्त आराजी के मूल खातेदार हमीरा मुतबन्ना हीरा, रामचन्द्र, काना पि० हजारी थे। हीरा फौत होने से नामान्तरण संख्या 20 दिनांक 09.10.77 को आराजी मुतनाजा हमीरा पुत्र हीरा के नाम दर्ज हुयी। तथा छीतर पुत्र सालू के बजाय रामचन्द्र, काना पुत्र हजारी के नाम दर्ज हुयी। वकिंग जमाबंदी के अनुसार हाल राजस्व अभिलेख में आराजी मुतनाजा मूल खातेदार तत्पश्चात प्रतिवादीगण के नाम सही रूप से दर्ज की गयी। वकिंग जमाबंदी में नामान्तरण संख्या 1 व 2 भू प्रबन्ध विभाग सं० १०९९०० के द्वारा


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)

अंकन किया गया है प्रथम दृष्टया शून्य है क्यो कि बंदोबस्त विभाग को नामान्तरण करने का कोई हक व अधिकार प्राप्त नहीं है। पूर्व नामान्तरण में गलत प्रविष्ट अंकित की गयी जो हाल राजस्व अभिलेख में दुरुस्त किया जावे। प्रतिवादी संख्या 2 से 7 प्रकरण में अनुपस्थित रहे।

1. आया वादग्रस्त आराजी का वर्तमान अंकन त्रुटिपूर्ण होने से वादी खातेदारी प्राप्ति के अधिकारी है ?
— वादी
2. आया प्रतिवादी रेकाडेंड खातेदार होने से वाद खारिज योग्य है ?
— प्रतिवादी
3. अनुतोष ?

अधिवक्ता वादी व प्रतिवादी ने प्रकरण में कोई साक्ष्य पेश नहीं करना जाहिर किया।

बहस उभयपक्ष सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता वादी व राज० पैरोकार की बहस पर मनन किया। तनकी अनुसार निर्णय निम्नवत है -
तनकी संख्या 1 व 2 :-

आराजी मुतनाजा हाल राजस्व अभिलेख में प्रतिवादीगण के नाम खातेदारी दर्ज है। वर्किंग खसरा नम्बर 1353, 1357 व 1362 हमीरा पुत्र हीरा के नाम दर्ज हुयी तथा छीतर पुत्र सालू के बजाय रामचन्द्र, काना पुत्र हजारी के नाम दर्ज हुयी। वर्किंग जमाबंदी में दर्ज नामान्तरण संख्या 2 दिनांक 02.09.85 में खसरा नम्बर 1353, 1357 व 1362 हीरा वगै० के स्थान पर भूली पत्नी बालू वगै० के नाम दर्ज है तथा खसरा नम्बर 1356 व 1366 जीवन, देवा पि० भूरा वगै० के नाम दर्ज हुआ है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वादी ने अपने वाद में जिन वर्किंग खसरा नम्बर का अंकन किया है वह वादी के नाम वर्किंग जमाबंदी में दर्ज नहीं थे। नामान्तरण संख्या 2 दिनांक 02.09.85 की प्रमाणित प्रति भी वादी द्वारा पेश नहीं की गयी है। आराजी मुतनाजा पर वादी का हक व अधिकार पुश्तैनी है अथवा उसके द्वारा उक्त आराजी कय की गयी है यह भी वाद पत्र के साथ संलग्न दस्तावेज से सिद्ध नहीं होता है। वादी द्वारा ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है जिसमें वादग्रस्त आराजी वादी/पूर्वज के नाम खातेदारी दर्ज हो। हाल राजस्व अभिलेख में बंदोबस्त विभाग द्वारा पूर्व इन्द्राज को ही दोहराया है। वादी ने अपने वाद कथनों को सिद्ध करने के लिये कोई साक्ष्य भी पेश नहीं किये है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात से वर्तमान इन्द्राज त्रुटिपूर्ण सिद्ध नहीं होता है। तनकी विरुद्ध वादी बहक प्रतिवादी निर्णत की जाती है।

उक्तानुसार ग्राम मण्डियानी के हाल खसरा नम्बर 1237 रकबा 0.18, 1237/2005 रकबा 1.01 व 1256 रकबा 0.57 की आराजी पर वादी का वाद "खारिज" किया जाता है। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद



डिक्री व मुकदमें इत्याई
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

उनवान

जीवण बनाम हमीरा वगै०

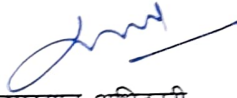
दावा बाबत :- 88, 188, 92ए राज. का. अधि० 1955

राजस्व मुकदमा नम्बर - 97/2011

पेश करने की दिनांक - 20.05.11

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिनाल कतई रुबरू श्री राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस.)-व हाजिर सुखदेव चौधरी अभिभाषक मुद्दई सीताराम रावत अभिभाषक मिनजामिन मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि :-

ग्राम मण्डियानी के हाल खसरा नम्बर 1237 रकबा 0.18, 1237/2005 रकबा 1.01 व 1256 रकबा 0.57 की आराजी पर वादी का वाद "खारिज" किया जाता है। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक _____ को सालाना आज की तारीख से यानि वसूली तक का अदा करे।

दस्तखत व मोहर अदालत के आज 26 माह 03 सन् 2021 को जारी की गयी।

मुद्दई

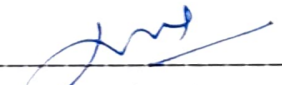
मुदायला

स्टाम्प अरजी दावा
स्टाम्प वकालतनामा
स्टाम्प वजह सबूत
मेहनताना वकील
फीस कमिश्नर
खर्चा गवाहान
बाबत् इजराय हुक्मनामा
मुतफरिक

स्टाम्प वकालतनामा
स्टाम्प अरजी
मेहनताना वकील
खर्चा गवाहान
फीस कमिश्नर
बाबत् इजराय हुक्मनामा
मुतफरिक

मिजान

मिजान


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद